परमात्म-निष्ठा की साकार प्रतिमूर्ति

दादी गुलज़ार केवल एक महान व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि परमात्मा शिव की ट्रांस मैसेंजर थीं। जिनके माध्यम से असंख्य आत्माओं ने परमात्मा से मिलन और शक्ति का अनुभव किया। पूर्ण समर्पण, अटूट निश्चय 'मेरा कुछ भी नहीं, सब बाबा करवा रहा है' का भाव उनका जीवन मंत्र था। ऐसी दिव्य आत्मा का जीवन ईश्वरीय सेवा की साकार प्रेरणा है।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की अमूल्य धरोहर, दादी हृदयमोहिनी जी, जिन्हें सम्पूर्ण विश्व दादी गुलज़ार के नाम से जानता है, उनकी पुण्यतिथि के पावन अवसर पर उनका जीवन हमारे लिए एक जीवंत पाठशाला है। दादी जी केवल एक व्यक्तित्व नहीं थीं, बल्कि दिव्यता, समर्पण और परमात्म-निष्ठा की साकार प्रतिमूर्ति थीं। उनके जीवन को यदि 6 मुख्य बिंदुओं में समझा जाए, तो ये 6 गुण हर किसी के लिए मार्गदर्शक बन सकते हैं और वे भी उन जैसा जीवन बना सकते हैं।

1. दिव्यता(डिविनिटी) - दादी गुलज़ार जी के जीवन का मूल आधार दिव्यता थी। उनके चेहरे की मुस्कान, दृष्टि की पवित्रता और वाणी की मधुरता से सहज ही ईश्वरीय अनुभूति होती थी। वे बोलती कम थीं, परन्तु उनकी उपस्थिति ही आत्माओं को शान्ति और शक्ति प्रदान कर देती थी। यह दिव्यता किसी बाहरी आडंबर से नहीं, बल्कि निरंतर परमात्म-स्मृति और पवित्र जीवनशैली से प्रकट हुई थी।

2. पूर्ण समर्पण(डेडिकेशन) - दादी जी का जीवन पूर्ण रूप से ईश्वरीय सेवा के लिए समर्पित था। उन्होंने तन, मन, धन और समय, सब कुछ परमात्म कार्य में अर्पण कर दिया था। व्यक्तिगत इच्छा, पसंद-नापसंद उनके जीवन में कोई स्थान नहीं रखती थी। वे सदा यही अनुभव कराती थीं कि "यह मेरा जीवन नहीं, बाबा का है।" यही पूर्ण समर्पण उन्हें परमात्मा का सशक्त माध्यम बनाता था।

3. अडिग रहना(डिटर्मिनेशन) - दादी गुलज़ार जी के भीतर अद्भुत दृढ़ संकल्प था। चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों, उनके निश्चय में कभी डगमगाहट नहीं आई। ईश्वरीय मर्यादाओं और बाबा की आज्ञा पर चलने में वे सदैव अटल रहीं। यही डिटर्मिनेशन उन्हें हर चुनौती में विजयी बनाता रहा और संस्थान को स्थिरता और शक्ति देता रहा।

4. 'मेरा कुछ भी नहीं' का भाव - दादी जी का सबसे सुंदर और गहरा गुण था–निर्ममत्व नहीं, बल्कि निर्मम भाव। उनका स्पष्ट अनुभव था - "मेरा कुछ भी नहीं, सब कुछ बाबा करवा रहा है।" इस भाव ने उन्हें अहंकार से सदा मुक्त रखा। वे स्वयं को कर्ता नहीं, बल्कि निमित्त मानती थीं। इसी कारण उनके माध्यम से परमात्मा सहज रूप से कार्य कर पाते थे।

5. परमात्मा पर पूर्ण भरोसा - दादी जी का हर कदम, हर निर्णय परमात्मा के भरोसे पर आधारित था। उन्हें भविष्य की चिंता नहीं थी, क्योंकि उन्हें यह निश्चय था कि जो कराने वाला है, वही संभालने वाला भी है। यह अटूट विश्वास उनके चेहरे की सदा बनी रहने वाली शान्ति का रहस्य था।

6. सहनशीलता और हृदयमय स्वरूप (हृदयमोहिनी) - असीम सहनशीलता के कारण ही उन्हें हृदयमोहिनी कहा गया। परिस्थितियाँ, आलोचनाएँ या सेवा की कठिनाइयाँ–सब कुछ वे मुस्कान के साथ सहन कर लेती थीं। उनका हृदय विशाल था, जिसमें सभी के लिए स्थान था। वे हर आत्मा को अपनापन और सुरक्षा का अनुभव कराती थीं।

इन छः गुणों के कारण दादी गुलज़ार जी केवल एक ट्रांस मैसेंजर नहीं, बल्कि एक जीवित उदाहरण बनीं कि कैसे आत्मा स्वयं को शून्य बनाकर परमात्मा को प्रकट करती है। उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर हम यही संकल्प करें कि इन छः गुणों को अपने जीवन में धारण कर, हम भी सच्चे अर्थों में बाबा के निमित्त बनें–यही दादी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी के स्मृति दिवस पर विशेष...

शांतिवन-आबू रोड(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के समाज सेवा प्रभाग द्वारा दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर भारत व नेपाल में आयोजित विश्व बंधुत्व रक्तदान महाअभियान को ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर डायमंड हॉल में आयोजित भव्य अवॉर्ड समारोह में ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रो. डॉ. दिनेश गुप्ता आनंदश्री एवं उनकी टीम द्वारा सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. अवतार, ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी एवं अन्य पदाधिकारियों को वर्ल्ड रिकॉर्ड मेडल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

पांडव भवन-करोल बाग(दिल्ली)। अजमल खान पार्क में आयोजित विश्व शांति के लिए सामूहिक राजयोग के अवसर पर मंचासीन हैं ओआरसी गुरुग्राम निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, रुस एवं शक्तिनगर दिल्ली की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, हरि नगर एवं ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी, विधायक विशेष रवि, काउंसलर उर्मिला गौतम एवं महेंद्र गौतम, बीजेपी इंटेलेक्चुअल सेल से अक्षय कपूर, व्यापार प्रकोष्ठ प्रभारी दिल्ली एवं बीजेपी लीडर गुलशन गुगनानी, दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन उपाध्यक्ष सचिन पुरी, रेडिसन ब्लू होटल पश्चिम विहार के डायरेक्टर ब्र.कु. जगमोहन तथा अन्य।

बाड़ी-धौलपुर(राज.)। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. रेनू, ब्र.कु. प्रीति एवं युवा।

हरदोई-सिविल लाइंस(उ.प्र.)। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य पर 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रोशनी, युवा एवं बच्चे।

गिद्दड़बाहा-पंजाब। गणतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर तिरंगा लहराने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. शीला तथा अन्य भाई-बहनें।